वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 274 | गुरुवार 1 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर-सीकर में बारिश, अलवर में गिरे ओले

जयपुर. कासं। राजस्थान में 20 दिन के बाद फिर बारिश का दौर शुरू हो गया। सुबह बीकानेर, हनुमानगढ़, चूरू, श्रीगंगानगर, सीकर और झुंझुनूं के कई इलाकों में मेघ गर्जना के साथ हल्की रिमझिम बारिश हुई। इधर, देर शाम 6 बजे बाद अचानक अलवर और सीकर में मौसम पलट गया। अलवर में बारिश के साथ ओले गिरे। जबकि सीकर में हल्की बारिश के बाद सर्दी का असर भी बढ़ गया है। अलवर में तेज बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। दोनों जगह करीब 15 से 20 मिनट तक बारिश का दौर चला। जयपुर में भी दोपहर बाद कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी का दौर चला। वहीं बारिश ने उन किसानों के लिए चिंता बढ़ा दी है, जिसने खेतों में अब सरसों की फसलें पक कर तैयार हो गई या कटाई शुरू हो गई है। हालांकि गेहूं, चना और जौ की फसल करने वाले किसानों के लिए ये बारिश अच्छी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक से की मुलाकात

जयपुर. कासं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को झोटवाड़ा के तारानगर स्थित क्षत्रिय युवक संघ कार्यालय पहुंचे। शर्मा ने यहां संरक्षक भगवान सिंह रोलसाहबसर और प्रताप फाउंडेशन के संयोजक महावीर सिंह सरवड़ी से मुलाकात की।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक अरूण जोशी एवं सहायक कर्मचारी रामकिशोर वर्मा को सेवानिवृति पर भावभीनी विदाई

इस अवसर पर आयुक्त, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सुनिल शर्मा ने जोशी के स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना करते हुए कहा कि जोशी ने अपने सेवाकाल में धैर्य नहीं खोते हुए कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी शांत एवं सजगता से अपने सेवा कार्यों का निर्वहन किया है। उन्होंने कहा कि सेवाकाल में बेहतरीन कार्य करने पर आगे भविष्य में भी बेहतरीन कैरियर की संभावना रहती है।

जयपुर. कासं

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक अरूण जोशी एवं सहायक कर्मचारी रामकिशोर वर्मा को उनकी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर बुधवार को सचिवालय परिसर स्थित सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग में भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर आयुक्त, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सुनिल शर्मा ने जोशी के स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना करते हुए कहा कि जोशी ने अपने सेवाकाल में धैर्य नहीं खोते हुए कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी शांत एवं सजगता से अपने सेवा कार्यों का निर्वहन किया है। उन्होंने कहा कि सेवाकाल में बेहतरीन कार्य करने पर आगे भविष्य में भी बेहतरीन कैरियर की संभावना रहती है। अरूण जोशी ने अपने संस्मरण साझा करते हुए कहा कि यदि आपकी नीयत और आपका स्वभाव साफ है तो आपके विरोधी भी आपके साथ चलने लगेंगे, और राजकार्य अधिक सरलता से संपादित होगा। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति में एक विशेषता अवश्य होती है, हमें उस विशेषता को जिन्दा रखना चाहिए। साथ ही रामकिशोर वर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इससे पूर्व जोशी एवं रामकिशोर को विभाग के आयुक्त सुनिल शर्मा ने साफा एवं माला पहना कर एवं शॉल ओढ़ाकर तथा प्रशंसा प्रमाण पत्र एवं मोमेन्टो भेंट कर सम्मानित किया। विभाग की महिला अधिकारियों द्वारा बुके भेंट किये गये। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के वित्तीय सलाहकार सुभाष दानोदिया, अतिरिक्त निदेशक अलका सक्सेना, उपनिदेशक लीलाधर सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अरूण जोशी एवं रामकिशोर वर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं उनके सुखद जीवन की कामना की। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक सुनर्बदा इंदोरिया, सूचना एवं जनसम्पर्क कर्मचारी संघ के अध्यक्ष गोपाल स्वरूप पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल सोनी, महासचिव कुलदीप शर्मा सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

भगवान आदिनाथ निर्वाणोत्सव पर होगा भक्तामर मंडल विधान

सांगानेर वाले बाबा को श्रीफल समर्पित कर आचार्यो से प्राप्त किया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रान्त के पदाधिकारियों ने प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के नेतृत्व में भगवान आदिनाथ के निर्वाणोत्सव पर 2304 दीपक से आयोजित की जाने वाली 48 मंडलीय भक्तामर स्तोत्र महाअर्चना के लिए सांगानेर स्थित दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी में अतिशयकारी आदिनाथ भगवान के समक्ष श्रीफल समर्पित किया गया। इस मौके पर पदम चन्द जैन बिलाला के साथ राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के संस्थापक अध्यक्ष राकेश गोदिका, नरेंद्र बज, ज्ञान चंद बस्सी,पंकज लुहाड़िया, महेश काला, सोभाग अजमेरा, मनोज झाँझरी, रमेश बोहरा, सूरज अजमेरा, मनोज आदि ने सहभागिता निभाई। संघीजी मन्दिर के महामंत्री नरेंद्र पाँड्या व संस्थान के महामंत्री सुनील पहाड़िया ने बताया कि इस कार्यक्रम को पावन सानिध्य प्रदान करने के लिए गोनेर में विराजित आचार्य सौरभ सागर महाराज को श्रीफल भेंट कर पावन सानिध्य हेतु निवेदन किया गया। इस मौके पर भाग चंद मित्रपुरा, कमल दीवान, कमल चंद जैन , निर्मल पाटौदी आदि उपस्थिति रहे। प्रचार-संयोजक विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार गुरुवार 8 फरवरी को आयोजित इस कार्यक्रम में भक्तामर दीप अर्चना की संगीतमय प्रस्तुति श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर द्वारा दी जाएगी। इधर संस्थान के कोषाध्यक्ष ने बोलखेड़ा में विराजित संस्थान के प्रणेता आचार्य वसुनन्दी महाराज को कार्यक्रम के बारे में विस्तार से चर्चा कर कार्यक्रम के लिए मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया । इस विशाल आयोजन में सैकड़ों की संख्या में जैन बन्धु शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के प्रति समाज में बहुत उत्साह देखने को मिल रहा है ।

एक मां सौ शिक्षको के बराबर होती: मुनि श्री विरंजन सागर

जन्माभिषेक के लिए आदिकुमार को सुमेरू पर्वत ले गये सौधर्म इन्द्र। सादपुर में पंचकल्याणक की धूम

रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा । निकटवर्ती ग्राम सादपुर में चल रहे पंचकल्याणक महामहोत्सव में जन्म कल्याणक की क्रियाओं में बताया कि जब इस वसुन्धरा पर भगवान अवतरित होते है कि, तो स्वर्ग में देवराज इन्द्र का सिंहासन भी कम्पित हो जाता है , शुभ लग्न मुहूर्त के साथ भगवान श्री आदिकुमार का स्वर्ग से माता मरूदेवी के गर्भ में आये और जन्म हुआ , जिससे तीनों लोग में सुख शांति हुई , वही इन्द्र को अवधज्ञान से प्रभु के जन्म अवतार की जानकारी होती है तो सौधर्म इन्द्र परिवार कुबेर इन्द्र के साथ ऐरावत हाथी पर सवार होकर अयोध्या नगरी पहुंचते है, शचि इन्द्राणी शिशु प्रभु को प्रसूति कक्ष से निकालकर सौधर्म इन्द्र को प्रदान करती है, सौधर्म इन्द्र शिशु प्रभु को ऐरावत हाथी पर सवार होकर सुमेरू पर्वत ले जाता है जहां प्रभु का जन्माभिषेक किया जाता है ।इस अवसर पर दोपहर जन्माभिषेक शोभायात्रा सादपुर गांव जो अयोध्या नगरी बना हुआ है वहां भ्रमण करती है, ढोल बाजों के साथ बडी संख्या में इन्द्र इन्द्राणी नृत्य करते हुए सुमेरूपर्वत पहुंचते है, कुबेर इन्द्र द्वारा रत्नों की वर्षा करता है, गांव में मिष्ठान का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर उपाध्याय मुनि श्री विरंजन सागर जी महाराज ने अपनी मंगल देशना में कहा कि जन्म तो सभी लेते है, जन्म उनका ही सार्थक होता है जो अपना जीवन प्रभु चरणों में लगा दे , प्रभु भक्ति ही जीवन को सफल बनाती है, एक अच्छी मां शिशु को जन्म देने के साथ ही उसे अच्छे संस्कार भी देती है, एक मां सौ शिक्षकों के बराबर शिक्षा प्रदान करती है । पंचकल्याणक महोत्सव में दूर दूर से श्रद्धालु सादपुर पहुंच रहे है, सुबह नित्य अभिषेक पूजन के साथ ही धार्मिक आयोजन प्रारंभ हो जाते है, 2 फरवरी को सादपुर गांव में पहली बार गजरथ के साथ त्रय रथ के द्वारा मुख्य पाण्डाल वेदिका की सात फेरियां लगाई जायेगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष अशोक मझगुवां बाले बकस्वाहा सहित समिति ने सभी से इस कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

भगवान शांतिनाथ की शांतिधारा की अद्भुत महिमा : आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज) की पुण्य धरा पर विश्वशांतिदायक अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान की मनोज्ञ प्रतिमा सभी भक्तों के लिए आस्था का केन्द्र बन चुकी है। आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संसंघ के द्वारा चल रही निरंतर श्री जिनसहस्त्रनाम की आराधना से इस क्षेत्र पर पवित्र ऊर्जा का संचार सभी जीवों के लिए कल्याण का कारण है। गुरूभक्त धर्मचंद जैन टोंक वालों का बेटा बार-बार परिक्षा में अनुत्तीर्ण होने से नाराज माताजी के चरणों में अपनी समस्या लेके पहुँचा। माताजी ने उसे आशीर्वाद देते हुए कहां कि - श्रद्धा-भक्ति के साथ भगवान शांतिनाथ जी की शांतिधारा करके ही परिक्षा देने जाना। उसने गुरु आज्ञा को शिरोधार्य किया उसका परिणाम यह निकला की वह अधिक अंकों से उत्तीर्ण होकर अच्छी नौकरी कर रहा है। यह चमत्कार भ. शांतिनाथ जी की शांतिधारा एवं माताजी के आशीर्वाद में ही छुपा हुआ है। विज्ञातीर्थ क्षेत्र के चैत्यालय में विराजमान श्री शांतिनाथ भगवान की शांतिधारा की महिमा अचिन्त्य है। किसी की कैसी भी समस्या क्यों न हो भगवान की शांतिधारा से सब शांत हो ही जाती है।

जीत की राह पर चलना है

जीत की राह पर चलना है,
संघर्षों में भी दमबाज होना है।
सपनों को हकीकत में पिरोना है,
मुश्किलों को मुस्कान में बदलना है।

जीत की राह पर चलना है,
संघर्षों से हमें नहीं डरना है।
सपनों को हकीकत में बदलना है,
आगे बढ़कर मुस्कुराना है।

जीत की राह पर चलना है,
संघर्षों से हमें सीखते रहना है।
मुश्किलों को अपना साहस दिखाना है,
हार को सफलताओं में बदलना है।

जीत की राह पर चलना है,
संघर्षों को अपना बनाना है।
सपनों को पूरा करना है,
आगे बढ़कर रास्ता बनाना है।

कवि - अनुराग उपाध्याय

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से....

श्रेय मिले न मिले, परन्तु अपने कार्य, कर्तव्य और प्रयास कभी बन्द नहीं करना चाहिए.. इच्छायें, आशायें कितनी भी कम हो - निराशा से बेहतर होती है..!

दिखावे का जीवन तो बहुत जी लिया, यथार्थ से जोड़ें। यथार्थ से जुड़कर ही सत्य को उपलब्ध हो सकते हैं। अभी हम आकाश में जीते हैं, कल्पना में जीते हैं। इसलिए सत्य दर्शन से वंचित रह जाते हैं। अभी हम पृथ्वी पर रहते हैं, लेकिन आकाश की बातें करते हैं। जिस पृथ्वी पर हमें जीना है, जिस पृथ्वी पर मरना है, जिस पृथ्वी पर हमें चलना है और कुछ करना है,, हम उस पृथ्वी की बात नहीं करते -- हम आकाश की बातें करते हैं। बात आकाश की नहीं, पृथ्वी की करो। कल्पना का जीवन नहीं, सत्य का जीवन जियो। क्योंकि सत्य असीम नहीं, परमात्मा अनन्त नहीं,, अपितु मनुष्य का अहंकार असीम और अनन्त है। असीम अहंकार - अनन्त परमात्मा से मिलने नहीं देगा। अतः अहंकार को त्यागना ही श्रेयस्कर है। सत्य तो स्वतंत्रता का उद्घोषक है। जो सत्य तुम्हें बांध ले, वह सत्य नहीं संप्रदाय है। संप्रदाय बांधता है, और सत्य मुक्त करता है। सत्य मुक्तिदाता है। सत्य से बढ़कर दूसरा कोई मुक्तिदाता नहीं। सत्य ही शिव है, और शिव ही सुंदर है। अरिहंत मृत्युंजय है। उनकी उपासना करने वाला मरकर भी अमर हो जाता है। जो भक्त है, वही अमर है। वही भक्तामर है। भक्त ही भगवत्ता को उपलब्ध हो पाते हैं...!! नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

सड़क सुरक्षा के लिए विद्यार्थियों को किया जागरूक

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद । गोविंदसिंह गुर्जर राजकीय महाविद्यालय में बुधवार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत प्रादेशिक परिवहन कार्यालय की ओर से आयोजित सड़क सुरक्षा व्याख्यान में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुक करते हुए सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारियां दी गई। परिवहन निरीक्षक अनिल कुमार शर्मा ने सड़क सुरक्षा व्याख्यान में विद्यार्थियों को सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारण एवं दुर्घटनाओं को रोकने एवं काम करने के लिए संपूर्ण जानकारी दी। साथ ही सड़क पर वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट की उपयोगिता के साथ सड़क यातायात चिन्हों की तथा सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की मदद करने के लिए एक अच्छा मददगार बनने के लिए जागरूक किया। इस दौरान परिवहन विभाग की ओर से विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा पंपलेट और ड्राइविंग सुरक्षा बुकलेट दी गई। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य सोनाली गोयल, फिजिकल डायरेक्टर अश्विनी कुमार शर्मा सहित महाविद्यालय स्टाफ और परिवहन विभाग के कार्मिक भी उपस्थित थे।

वेद ज्ञान

शरीर साधन भी है और साध्य भी

शरीर साधन भी है तो साध्य भी है, जीवन से जुड़ी इससे बड़ी कोई हकीकत हो नहीं सकती और इसलिए आज के भौतिकतावादी दौर में इसे ठीक से और बार-बार समझने की जरूरत है। यह बात सरसरी तौर पर तो सामान्य लगती है, लेकिन गहराई में जाने पर इसकी महत्ता का ज्ञान होता है। अपने इर्द-गिर्द जो भी भौतिक संसार हम देखते हैं उसकी जड़ में जाएं तो पाएंगे कि दुनिया की प्रत्येक वस्तु का प्रयोजन शरीर के लिए ही है। मकान, दुकान, कारखाने, इत्यादि वस्तुएं और गतिविधियां सब कुछ इस शरीर के लिए आवश्यकतानुसार बनाई गई हैं। पूरा का पूरा सांसारिक तानाबाना इस शरीर रूपी ध्येय के लिए खड़ा किया गया है। साथ ही जब इसके दूसरे पहलू को देखते हैं तो पाते हैं कि इस ताने-बाने को खड़ा भी इस शरीर द्वारा ही किया गया है। अर्थात इस जगत में बनी हर चीज 'इंसान ने इंसान के लिए' बनाई है और जिसमें इंसान का बनना भी शामिल है। यहां हम विषय को व्यावहारिकता से समझने के लिए इंसानी अस्तित्व के ईश्वरी और आध्यात्मिक पहलू को फिलहाल अलग रखकर विचार कर रहे हैं। सामान्य सी प्रतीत होने वाली बात भी चिंताजनक तब हो जाती है जब इंसान साधनों का संग्रहकर्ता मात्र बनकर रह जाता है। वह भूल जाता है कि जो भी साधन-संसाधन वह इकट्ठा कर रहा हैं वे सब उसके लिए भी हैं और उसे कुछ समय इनके इस्तेमाल के लिए भी निकालना चाहिए। यहां कभी-कभी हम साधनों को साध्य पर हावी हुआ पाते हैं और इंसानी जीवन को ही ग्रहण लगाने वाले कार्य करने लग जाते हैं। हमें समझना चाहिए कि इंसान ने यह समस्त भौतिक जगत जीवन की आवश्यकता और सुगमता के लिए सृजित किया है। जब जीवन का अस्तित्व इस शरीर से परे है ही नहीं तो फिर संग्रहकारी प्रवृत्तियों और महत्वाकांक्षाओं के चलते इस शरीर को ही दांव पर लगाने की मूर्खता क्यों की जाए। यह सही है कि इंसान को केवल और केवल अपने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति भी प्रवृत्त रहना चाहिए, लेकिन किसी हद तक ही।

संपादकीय

महंगाई और बेरोजगारी पर काबू पाना अब भी बड़ी चुनौती

इस बार आर्थिक सर्वेक्षण के बजाय वित्त मंत्रालय ने बजट पूर्व आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट पेश की। चुनावी वर्ष होने की वजह से इस बार अंतरिम बजट पेश होगा, इसलिए सरकार ने फैसला किया कि आर्थिक सर्वेक्षण के बजाय समीक्षा रिपोर्ट पेश की जाएगी। आर्थिक सर्वेक्षण चुनाव के बाद पेश होने वाले पूर्ण बजट के समय प्रकाशित किया जाएगा। अभी तक यही परंपरा रही है कि बजट से एक दिन पहले आर्थिक सर्वेक्षण प्रकाशित

किया जाता है। उसमें बताया जाता है कि पिछले बजट में सरकार ने जो लक्ष्य तय किए थे, उन्हें कहां तक हासिल किया जा सका है। इस तरह आर्थिक सर्वेक्षण एक तरह से सरकार के पूरे एक वर्ष के प्रदर्शन का मूल्यांकन भी करता है। मगर इस वर्ष वह परंपरा बदल दी गई। समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्तवर्ष में भारत की विकास दर सात फीसद रहेगी। अगले तीन वर्षों में पांच लाख करोड़ डालर के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के साथ दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अभी 3.7 लाख करोड़ डालर की अनुमानित जीडीपी के साथ दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था है। 2030 तक इसके सात लाख करोड़ डालर तक पहुंचने और 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की उम्मीद जताई गई है। समीक्षा रिपोर्ट में लगभग वही बातें कही गई हैं, जो पिछले काफी अरसे से कही जा रही हैं। पांच लाख करोड़ डालर की अर्थव्यवस्था बनना सरकार का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य है। अभी जिस तरह दुनिया मंदी के दौर से गुजर रही है, मगर उसके बीच भारतीय अर्थव्यवस्था का रुख ऊपर की तरफ बना हुआ है, उसमें इसके पांच लाख करोड़ डालर के लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल नहीं माना जा रहा। समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दस वर्षों में कई उल्लेखनीय सुधार हुए हैं, जिसका असर आर्थिक प्रगति पर स्पष्ट देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक घरेलू मांग और निवेश बढ़ा है, जिसके चलते पिछले तीन वर्षों से विकास दर सात फीसद से अधिक रही है। हालांकि समीक्षा रिपोर्ट में कही गई बातों से कितने आर्थिक विशेषज्ञ सहमत होंगे, देखने की बात है। एक संतुलित अर्थव्यवस्था में विकास दर की जो गति होनी चाहिए, वह लड़खड़ाती नजर आती है। महंगाई और बेरोजगारी की दर पर काबू पाना अब भी बड़ी चुनौती है। इसलिए घरेलू मांग और निवेश का बढ़ना कुछ असंगत जान पड़ता है। औद्योगिक उत्पादन क्षेत्र में उत्साह नजर नहीं आ रहा। निर्माण और विनिर्माण क्षेत्र भी उतार-चढ़ाव के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में विकास दर में संतुलन को लेकर सवाल बने रहते हैं। हालांकि दुनिया की सभी रेटिंग एजंसियां मानती हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और इस वर्ष इसके सात फीसद से ऊपर रहने का अनुमान है। मगर व्यापार घाटे और राजकोषीय घाटे से पार पाना अब भी कठिन बना हुआ है। रोजगार के अपेक्षित नए अवसर सृजित न हो पाने के कारण बड़ी संख्या में लोगों की क्रयशक्ति कमजोर हुई है। बाजार में पूंजी का प्रवाह संतुलित नहीं हो पा रहा, जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक को रेपो दरों के मामले में कड़ा रुख अपनाए रखना पड़ रहा है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

खुदकुशी क्यों?

राजस्थान के कोटा में एक छात्रा की खुदकुशी की घटना से फिर यही पता चलता है कि पिछले कई वर्षों से लगातार इस समस्या के गहराते जाने के बावजूद इसमें सुधार के लिए कोई गंभीरता नहीं दिख रही। गौरतलब है कि छात्रा ने आत्महत्या करने से पहले अपने माता-पिता को संबोधित पत्र में लिखा कि ''मैं जेईई नहीं कर सकतीङ्क इसलिए आत्महत्या कर रही हूं। मैं हारी हुई हूं, मैं ही इसकी वजह हूं, यह आखिरी विकल्प है।'' यह बताने के लिए काफी है कि पढ़ाई-लिखाई से लेकर 'कुछ बड़ा' कर पाने के बोझ और समूची व्यवस्था से किस स्तर पर त्रासद स्थितियां पैदा हो रही हैं, जिसमें किशोरवय बच्चों के सामने जिंदगी और मौत में किसी एक को चुनने का विकल्प पैदा हो रहा है। इस वर्ष किसी विद्यार्थी की आत्महत्या की यह दूसरी घटना है। जब इस तरह की कोई घटना व्यापक चर्चा का विषय बन जाती है, सब तरफ चिंता जताई जाने लगती है, तब इसके हल के लिए विभिन्न स्तरों पर उपाय करने की बातें की जाती हैं। मगर शायद इस समस्या की जड़ों की पहचान कर उसके मुताबिक ठोस रास्ते निकालने की पहल नहीं हो पा रही है। वाल है कि जिस किशोरावस्था में बच्चे कई तरह की मानसिक-शारीरिक उथल-पुथल से गुजरते रहते हैं, उसमें उनके सिर पर पढ़ाई-लिखाई और भविष्य की चिंता को एक बोझ के रूप में कौन डाल देता है! इसके बाद उस चिंता को भुनाने के लिए कोचिंग संस्थानों ने जैसा सख्त तंत्र खड़ा किया है और उसमें जिस तरह बहुत सारे बच्चे पिस और टूट रहे हैं, उस पर कोई लगाम क्यों नहीं है? सरकारों को इससे संबंधित कोई स्पष्ट और ठोस नीति बनाने की जरूरत क्यों नहीं लग रही है? यह त्रासदी तब भी कायम है जब पिछले कई वर्षों से लगातार कोटा में ऐसी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं की खुदकुशी अब एक व्यापक चिंता का विषय बन चुकी है। ऐसी आत्महत्याओं का कारण एक ही होता है कि किसी बच्चे ने परीक्षा और तैयारी के सामने खुद को लाचार पाया और उसे कोई अन्य रास्ता नहीं सूझा। यह समझने की जरूरत क्यों नहीं महसूस हो रही है कि जिस उम्र में कई बच्चों के सिर पर इस तरह की पढ़ाई और उससे संबंधित परीक्षा में बेहतरीन नतीजे लाने का बोझ लाद दिया जाता है, उस दौरान वे विषम हालात से निपट सकने के लिए कितनी परिपक्वता रखते हैं। आमतौर पर मान लिया गया है कि जीवन में सफल होने के लिए डाक्टर-इंजीनियर या कोई उच्च प्रशासनिक अधिकारी बनना ही अच्छा विकल्प है। इन परीक्षाओं में कामयाबी को लेकर किसी विद्यार्थी के भीतर कितनी रुचि है या उसके लिए वह कितना सक्षम है, इसका आकलन करने की कोई जरूरत नहीं समझी जाती। दूसरी ओर, बच्चों का बेहतर भविष्य बनाने के लिए प्रचलित धारणाओं के शिकार अभिभावक अपनी महत्त्वाकांक्षाएं अपने बच्चों के जरिए पूरा करना चाहते हैं। जबकि किशोरवय स्कूल-कालेज की पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ व्यक्तित्व निर्माण का एक नाजुक दौर होता है। इसके बजाय अगर प्रवेश परीक्षा के लिए पढ़ाई में दिलचस्पी न होने के बावजूद किसी बच्चे के सामने अकेला विकल्प यही रख दिया जाता है, तो उसके सोचने-समझने और संवेदना की दिशा बाधित होगी ही। ऐसे में अगर बच्चे जीवन से हार जाते हैं, तो इसकी जिम्मेदारी किस पर जाएगी? जाहिर है, यह परिवार, समाज, शिक्षा जगत और सरकार के लिए सोचने का मुद्दा है कि आखिर यह होड़ कहां जाकर रुकेगी!

निवाई के उपखण्ड मुख्यालय गणतंत्र दिवस पर बेडमिंटन खिलाड़ी गोल्ड मेडलिस्ट अंशुल पाटनी सम्मानित

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 75 वें गणतंत्र दिवस पर बेडमिंटन खिलाड़ी गोल्डमेडलिस्ट अंशुल पाटनी को उपखण्ड मुख्यालय पर सम्मानित किया गया जिसमें अशुंल पाटनी का स्थानीय विधायक रामसहाय वर्मा, एस डी एम समन्दर सिंह भाटी, नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप ईसरानी, पंचायत समिति प्रधान रामवतार लांगडी. आदि प्रशासनिक अधिकारियों ने स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने बताया कि अंशुल पाटनी को राष्ट्रीय बेडमिंटन खिलाड़ी होने पर सम्मानित किया गया है। उल्लेखनीय है कि बेडमिंटन में अंशुल पाटनी ने पुणे दिल्ली आदि राज्यों में बेडमिंटन प्रतियोगिता में जीत हासिल कर चुके हैं। जौंला ने बताया कि अंशुल जैन ने वर्ष 2017 में इंडोनेशिया भूटान में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

प्राकृतिक नर्बदेश्वर शिवलिंग बना श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र

मुंबई में प्रतिष्ठा से पूर्व संकटमोचन हनुमान मंदिर में दर्शन व पूजन के लिए रखा गया

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। शहर में मुख्य डाकघर के पास स्थित श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर में इन दिनों एक प्राकृतिक शिवलिंग श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र बना हुआ है। ओंकारेश्वर स्थित नर्बदा नदी क्षेत्र से लाए गए इस नर्बदेश्वर शिवलिंग की प्रतिष्ठा आगामी दिनों में मुंबई स्थित एक आश्रम में होनी है। स्थापना से पूर्व इसे देश के विभिन्न मंदिरों व आश्रमों में रखकर श्रद्धालुओं को दर्शन कराए जा रहे है। संकटमोचन हनुमान मंदिर में पिछले करीब एक सप्ताह से इसके दर्शन कराए जा रहे है ओर जो आगामी एक सप्ताह तक होते रहेंगे। जो भक्त मंदिर में आता है इस शिवलिंग को देख शीश झुका भोले शंकर महादेव के प्रति श्रद्धा का इजहार करना नहीं भूलता है। मंगलवार शाम को आरती के समय एवं रात में संकटमोचन हनुमान मंदिर में दर्शन के लिए आए सैकड़ो भक्तगणों ने इस प्राकृतिक शिवलिंग को देख भक्ति व श्रद्धा का इजहार करते हुए पूजा अर्चना की ओर भोले शंकर महादेव के जयकारे लगाए। कई भक्त इस अद्भुत शिवलिंग के दर्शन के बाद उसके साथ सेल्फी भी लेकर सोशल मीडिया पर शेयर करने में लगे रहे। बुधवार को भी कई भक्तों ने शिवलिंग की पूजा व दर्शन किए। मंदिर के महन्त श्री बाबूगिरी महाराज ने बताया कि करीब एक करोड़ रूपए के इस प्राकृतिक शिवलिंग के अंदर एक ओर शिवलिंग बना हुआ है जिस पर तिलक अंकित है। इस शिवलिंग को ओंकारेश्वर से संत आलोकगिरी महाराज लेकर आए है जो आगामी दिनों में इस प्राकृतिक शिवलिंग की मुंबई स्थित अपने आश्रम में प्रतिष्ठा करेंगे। आश्रम में प्रतिष्ठा के बाद ही भोलेनाथ के इस शिवलिंग का नामाकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी करीब एक सप्ताह तक ओर भक्तगण इस प्राकृतिक शिवलिंग के दर्शन मंदिर परिसर में कर सकेंगे।

महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय हैजा मोगा जी सज्जनगढ़ मे किए स्वेटर वितरण

नौगामा. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा आज राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय हैजा मोगा जी में गांव के सरपंच साहब वीरसिग गरासिया, महावीर इंटरनेशनल शाखा के अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी, विद्यालय प्रधानाध्यापक खुशपाल जैन पी ई ई ओ प्रतिनिधि नटवरलाल कलाल शाखा सचिव कैलाश पंचोली एसएमसी अध्यक्ष सुर सिंह गरासिया के सानिध्य में विद्यालय में शाखा की ओर से स्वेटर वितरण किए गए इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक खुशपाल जैन ने सभी अतिथियों को माला दुपट्टा पहना कर सम्मान किया, साथ ही आज शहीद दिवस के उपलक्ष में इस विद्यालय में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर विद्यालय परिवार महावीर इंटरनेशनल एवं अतिथियों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किये एवं 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इंटरनेशनल के इस सेवा कार्य इस अवसर पर विद्यालय के स्टाफ साथी बदन सिंह गरासिया प्रदीप गरासिया विनय पाटीदार व वीणा गरासिया रेखा खाट, रीता पारगी प्रतिक पंचाल ने अपना सहयोग प्रदान किया कार्यक्रम का संचालन बहादुर सिंह गरासिया द्वारा किया गया आभार की रस्म वीणा गरासिया के द्वारा किया गया।

38वें निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 133 रोगियों की हुई निशुल्क जांच

कामा. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज कामां के तत्वावधान में इंदिरा गांधी नेत्र चिकित्सालय गुरुग्राम हरियाणा के सहयोग से बुधवार 31 जनवरी को कामां के कोट ऊपर स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर के प्रांगण में 38 वें निशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 133 रोगियो की निशुल्क जांच की गई। शिविर संयोजक कपूर चन्द जैन ने बताया कि मासिक नेत्र जांच शिविर के अंतर्गत 133 नेत्र रोगियों की निशुल्क नेत्र जांच गयी तो मौके पर ही निशुल्क दवाएं भी वितरित की जाएगी। जांच के दौरान 20 रोगियों को लैंस प्रत्यारोपण हेतु रेफर किया गया। जिनके नेत्रों में निशुल्क लैंस प्रत्यारोपित किया जाएगा। प्रति माह लगने वाले नेत्र शिविर में दूर दराज से अनेकों रोगी नेत्र जांच करवाने आते हैं। विगत 3 वर्ष से जैन समाज द्वारा नेत्र जांच शिविर का अनवरत आयोजन किया जा रहा है। जैन समाज जहां धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेती है तो वहीं सामाजिक कार्यों में भी कोई कसर नहीं छोड़ती है। जैन समाज द्वारा आगामी 28 फरवरी से वृहद पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन भी प्रस्तावित है। नेत्र शिविर में जैन समाज के मोहित जैन तेल वाले ,नवीन जैन क्रय विक्रय, आर्यन जैन, आदेश जैन,रवि जैन ,देवेंद्र जैन मुनीम , मयंक जैन, मुकेश जैन पथराली सहित अन्य युवाओं द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

'दी सिख टेलेंट हंट' में जयपुर के सिख बच्चे 11 फरवरी को सम्मानित होंगे

फार्म सबमिट करने की अंतिम तारीख 5 फरवरी

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान सिख समाज की अग्रणी कौन बनेगा गुरसिख बच्चा संस्था (केबीजीबी) ऐसे सिख बच्चे-बच्चियों को सम्मानित करने जा रही है जिन्होंने अपने एकेडमिक, उच्च शिक्षा और खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। ₹ दी सिख टेलेंट हंट₹ नाम से जयपुर के उन सिख बच्चों की खोज की जा रही है जिन्होंने 10वीं और 12वी परीक्षाएं 90%अंकों से पास की है। ग्रेजुएट और पोस्ट-ग्रेजुएट में 80% अंक लिए हैं। इसके इलावा एमबीबीएस/एमडी, एमबीए, इंजीनियरिंग या पीएचडी, सीए आदि प्रोफेशनल डिग्री 2023 में हासिल की है। इवेंट संयोजक जसबीर सिंह ने बताया कि राजस्थान का गौरव बढ़ाने वाले ऐसे जयपुर के सभी चयनित सिख बच्चों को सम्मानित जाएगा जिन्होंने शिक्षा के इलावा राज्य स्तर खेलों की व्यक्तिगत/टीम स्पर्धा में राष्ट्रीय खेलों में राजस्थान को रिप्रेजेंट किया हो। केबीजीबी संस्था के महासचिव सुखदेव सिंह ने बताया कि जो सिख बच्चे उक्त पात्रता रखते हैं वो फार्म डाउनलोड कर 5 फरवरी तक मार्कशीट और संबंधित सर्टिफिकेट के साथ श्री गुरु नानक देव स्कूल, राजा पार्क, जयपुर में जमा करा सकते हैं। संस्था के प्रधान ओंकार सिंह ने बताया कि सभी टैलेंटेड सिख बच्चों को जवाहर नगर में आयोजित होने वाले महान गुरमत समागम के समापन पर 11फरवरी, रविवार को सर्टिफिकेट एवं मोमेंटो दिया जाएगा। जवाहर नगर गुरुद्वारा, स्त्री सत्संग सभा और सिख एल्डर्स एसोसिएशन ने सहयोग और इस आयोजन को किंडर केयर स्कूल द्वारा स्पॉन्सर्ड किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए संयोजक से 9883128322 पर संपर्क किया जा सकता है।

ओंकार सिंहः President-KBGB SANSTHA (Regd) Jaipur

NHBH
NIMS HEART & BRAIN HOSPITAL
(A UNIT OF NIMS UNIVERSITY)

समन्वय सद्भावना संगठन
दिगम्बर जैन महासमिति

दिगम्बर जैन महा समिति राजस्थान अंचल
के सयुक्त तत्वावधान में

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

दिनांक :– रविवार, 04 फरवरी 2024

समय: प्रात: 10.00 बजे से दोपहर 02.00 बजे तक

शिविर स्थान :– एनएचबीएच हॉस्पिटल, गोविंद मार्ग, तिलक नगर, जयपुर

नि:शुल्क जांच: बीपी, आरबीएस, यूरिक एसिड, बीएमडी, न्यूरोपैथी, ईसीजी, बीएमआई

अन्य पैथोलॉजिकल और रेडियोलॉजी परीक्षणों पर 20% की छूट

विशेष जांच छूट:- इकोकार्डियोग्राफी* (स्क्रीनिंग) 500/-
सोनोग्राफी* (स्क्रीनिंग) 500/-,
सीटी कॉर्नियो एंजियोग्राफी* 5000/-

एम्स, पीजीआई के प्रसिद् एव अनुभव डॉक्टर की टीम से परामर्श

कार्डियोलॉजी विभाग
डॉ. संदीप मिश्रा
एचओडी एवं वरिष्ठ सलाहकार कार्डियोलॉजी
एम्स - नई दिल्ली

डॉ. अनिल चौधरी
वरिष्व सलाहकार कार्डियलजी
पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़

गेस्ट्रोएंटोलॉजी विभाग
डॉ. शोभना भाटिया
एचओडी एवं वरिष्ठ सलाहकार गेस्ट्रो

स्त्री रोग विभाग
डॉ. सुरभि तोमर
मुख्य सलाहकार स्त्री रोग - आईवीएफ

न्यूरोलॉजी और इंटरवेंशनल विभाग
डॉ. मदन मोहन गुप्ता
चीफ-न्यूरोइंटरवेंशनल
एम्स-नई दिल्ली

डॉ. मनीष शॉ
(सीनियर इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी)
(एम्स-नई दिल्ली)

डॉ. रवि जाखड़
वरिष्ठ सलाहकार न्यूरोलॉजी
पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़

निजी बीमा, टीपीए और आरजीएचएस से अधिकृत

यूरोलॉजी विभाग
डॉ. विनय तोमर
चीफ यूरोलॉजी

डॉ.शशिकांत
सीनियर कंसल्टेंट्स यूरोलॉजी

जनरल मेडिसिन
डॉ. सुमित आनंद
वरिष्ठ सलाहकार

फिजियोथेरेपी विभाग
डॉ. चंद्रेश अरोड़ा
वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट

श्री. अनिल जैन, आई.पी.एस (आर), (अध्यक्ष)
श्री महावीर बाकलीवाल (महामंत्री)
श्री निर्मल कुमार संधी (राष्ट्रीय समन्वयक (चिकित्सा)
9829844533

एंबीशन किड्स एकेडमी में एक अनूठे अंदाज में 75वें गणतंत्र दिवस को मनाया

दूरदर्शी नेताः सफलता के अग्रदूत, विषय पर हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दूरदर्शी नेताः सफलता के अग्रदूत, विषय पर देश के 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर एंबीशन किड्स एकेडमी के विद्यार्थियों ने एक अनूठे अंदाज में कार्यकम प्रस्तुत किया ।इस थीम के द्वारा प्रेरणादायक नेताओं और देशभक्तों का समाज और राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को प्रस्तुत किया ।इस अवसर पर प्राचार्या डॉ अलका जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न स्वतंत्रता सेनानियों व देशभक्त नेताओं का रूप धारण कर उनके व्यक्तित्व का विश्लेषण किया तथा उन्होंने हमारे देश की आजादी के लिए क्या योगदान दिया, इसका विस्तृत सजीव प्रस्तुतीकरण किया । इनमें भारत की प्रथम महिला स्वतंतता सैनानी - रानी अब्बक्का, झांसी की रानी - लक्ष्मीबाई , एनी बेसेंट , जवाहरलाल नेहरू,वल्लभ भाई पटेल , डॉ राजेंद्र प्रसाद , रविंद्र नाथ टैगोर , सरोजिनी नायडू , महात्मा गांधी , विवेकानन्द शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद , सुभाष चंद्र बोस , सुखदेव आदि के व्यक्तित्व का वर्णन कर इन स्वतंत्रता सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि प्रेषित की ।इसके अतिरिक्त प्रतिभा पाटिल ,डॉक्टर अब्दुल कलाम आजाद , कल्पना चावला के व्यक्तित्व के बारे में भी प्रस्तुति दी। इसके पश्चात गणतंत्र दिवस समारोह के दूसरे चरण में एम्बीशन किड्स ने विभिन्न फिल्मी गीतों पर प्रस्तुति दी - जिसमें देश रंगीला, चक दे इंडिया , ओ देश मेरे - तेरी शान में सजदे , हम इण्डिया वाले , सबसे आगे होगें हिन्दुस्तानी इत्यादि गीत शामिल थे। इससे पूर्व एम्बीशन किड्स में ध्वजारोहण डिप्टी कमिश्नर स्टेट जीएसटी श्रीमती कुमुद पालीवाल एवं संस्था चेयरमेन - अर्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ डॉ. एम एल जैन 'मणि' एवं डॉ. शान्ति जैन 'मणि' के संयुक्त कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. 'मणि' ने सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज एंबीशन किड्स के विद्यार्थियों ने दूरदर्शी नेताओ के व्यक्तित्व का संजीव प्रस्तुतीकरण करके हम सबको भाव विभोर कर दिया। मैं सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।उन्होंने कहा कि एंबीशन किड्स में लगातार दूसरे वर्ष हमारे यहां के विद्यार्थी ने बोर्ड परीक्षा में सभी विषयों में 'ए ग्रेड' प्राप्त कर विद्यालय तथा अपने परिवार का नाम रोशन किया है ।इस प्रकार उन्होंने सभी बच्चों से मेहनत और लगन से लक्ष्य को हासिल करने के लिए मोटिवेट किया। इस अवसर पर संस्था की प्राचार्या डॉ अलका जैन ने बच्चों को उपहार दिए , एवं डिप्टी कमिश्नर मेडम ने परिवार सहित लड्डू वितरित किये और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की ।

वार्षिकोत्सव सम्मान व सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित

सीकर. शाबाश इंडिया। जिले के कुदन गांव में आज शहीद मेजर सुरेंद्र बडासरा सीनियर सेकेंडरी स्कूल कूदन में वार्षिक उत्सव का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।जिसमें मेधावी विधार्थियों को सम्मानित किया गया।इसमें अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए व पुराने विधार्थियों को सम्मानित किया गया जिसमें आई आरएएस मनोज महरिया को सम्मानित किया तथा साथ में शहीद के माता-पिता का भी सम्मान किया गया आज सरोज शर्मा व्याख्याता को सेवानिवृत्त होने पर विदाई दी गई। इस कार्यक्रम में सीताराम खारिया, प्रधानाध्यापक भंवरलाल वर्मा सरपंच प्रतिनिधि सुल्तान सुंडा शिवदयाल लालासी व अनेक गणमान्य नागरिक व ग्रामीण जन उपस्थित रहे ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com